जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 59 | अंक-27 | जयपुर, सोमवार, 17 जुलाई, 2023 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

एआईसीटीई ने यूईएम जयपुर में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर 3 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का किया आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर द्वारा आयोजित सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित 3 दिवसीय-संकाय विकास कार्यक्रम, 13 जुलाई, 2023 को उद्घाटन सत्र के साथ शुरू हुआ। एफडीपी का उद्देश्य संकाय के शिक्षण कौशल और व्यावसायिक विकास को बढ़ाना है। सदस्य यूईएम, जयपुर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेंगे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत देवी सरस्वती के आह्वान के साथ हुई। इसके बाद, एनसीसीआईपी एआईसीटीई टीम के विशिष्ट अतिथियों - डॉ. नवीन कुमार शर्मा (संसाधन व्यक्ति), डॉ. पीयूष शर्मा ((सह-सुविधाकर्ता), डॉ. विजयपाल सिंह (पर्यवेक्षक) को यूईएम जयपुर के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया गया। कुलपति (वीसी), रजिस्ट्रार और डीन, जिन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए रूपरेखा तय की। कुलपति प्रो. (डॉ.) विश्वजॉय चटर्जी ने उद्घाटन भाषण की शुरुआत सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए की। उन्होंने शिक्षा जगत में निरंतर व्यावसायिक विकास के महत्व पर जोर दिया और छात्रों के भविष्य को आकार देने में संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। वीसी ने एफडीपी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जिसमें शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करना, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना और समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाना शामिल है। रजिस्ट्रार, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा ने संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए यूईएम द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए सभा को संबोधित किया। उन्होंने संकाय सदस्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति से अवगत रहने और बदलते शैक्षिक प्रतिमानों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। रजिस्ट्रार ने

प्रतिभागियों को सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एफडीपी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने, अनुभव साझा करने और सहकर्मियों के साथ नेटवर्क बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डीन, प्रोफेसर (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी ने अपना संबोधन एफडीपी के विशिष्ट उद्देश्यों पर केंद्रित किया। उन्होंने व्यक्ति के जीवन में मानवीय मूल्यों के महत्व और कक्षा में उच्च मनोबल का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए संकाय सदस्यों को आवश्यक कौशल से लैस करने पर जोर दिया। डीन ने छात्र-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया और संकाय सदस्यों को उन नवीन शिक्षाशास्त्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जो महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देते हैं। यूईएम, जयपुर में संकाय विकास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया। कुलपति, रजिस्ट्रार और डीन सहित सम्मानित वक्ताओं ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए संकाय विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। एफडीपी के उद्देश्यों में छात्रों में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करने के तरीके, न्यायसंगत और समतामूलक समाज में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों की भूमिका, 21वीं सदी में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों की चुनौतियां, सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों की चुनौतियों पर काबू पाने के तरीके शामिल हैं। शैक्षणिक कौशल को उन्नत करना, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना, परिवर्तनकारी शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए यूईएम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम संकाय सदस्यों को उनके शिक्षण करियर में आवश्यक मानवीय मूल्यों से लैस करने और विश्वविद्यालय के समग्र विकास में योगदान देने का वादा करता है। कुल मिलाकर उद्घाटन सत्र ने सफलतापूर्वक संकाय विकास के महत्व को बताया और एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए मंच तैयार किया। इस एफडीपी में 50 से अधिक संकाय सदस्य भाग ले रहे हैं। एफडीपी का आयोजन मानविकी विभाग द्वारा किया जाता है और प्रोफेसर (डॉ.) मुकेश यादव और डॉ. स्नेहलता ढाका द्वारा समन्वयित किया जाता है। समारोह के संचालक प्रोफेसर संचारी बसाक और प्रोफेसर शिवानी सैनी रहे ।

उम्मीदें और बधाइयां लेकर 40 दिन के सफर पर निकला चंद्रयान-3

नई दिल्ली (हमारा वतन)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी इसरो ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 मिशन सक्सेसफुली लॉन्च किया। दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर सतीश धवन स्पेस सेंटर से LVM3-M4 रॉकेट के जरिए चंद्रयान को स्पेस में भेजा गया है।

16 मिनट बाद रॉकेट ने इसे पृथ्वी की ऑर्बिट में प्लेस किया। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने इस सक्सेसफुल लॉन्च के बाद कहा कि चंद्रयान 3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग प्लान की गई है।

चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर

चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे और 14 दिन तक वहां एक्सपेरिमेंट करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स की स्टडी करेगा। मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि लूनर सरफेस कितनी सिस्मिक है, सॉइल और डस्ट की स्टडी की जाएगी।

भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा-अगर मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सक्सेसफुली उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांग ई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की सक्सेसफुल लॉन्चिंग के बाद इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय बताया। उन्होंने ये भी कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और प्रतिभा को सलाम करता हूं!

जागृति संस्थान ने मनाया वन महोत्सव

जयपुर (हमारा वतन)। जागृति संस्थान के माध्यम से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंदिर विराटनगर में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जागृति संस्थान ने वृक्षारोपण करके अलग-अलग जगा रखी है । इस कार्यक्रम में प्रकृति को बचाएं व सुंदर बनाए रखने के लिए सभी युवा साथियों के साथ मिलकर के अधिक संख्या में वृक्षारोपण किया गया। संस्थान के निदेशक मालीराम सैनी व प्रोग्राम मैनेजर मनीष मिटावा के द्वारा बताया गया कि आने वाले समय में हमें बहुत अधिक संख्या में वृक्षारोपण करना होगा क्योंकि हम देख रहे हैं कि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है जिसे कई प्रकार की समस्याएं देखने को मिल रही है व साथ ही पर्यावरण को प्रदूषण होने से बचाना है इसके लिए हमें जन जागरूकता अभियान चलाकर के जन-जन में अलख जगानी है । इस अभियान को सफल बनाने के लिए हम सब को एक दूसरे की आवश्यकता है एवं प्रकृति को सुंदर बनाए रखने के लिए हम सबको प्रण लेना है कि हम कम से कम संख्या में प्लास्टिक का इस्तेमाल करेंगे व अधिक संख्या में वृक्ष लगाते रहेंगे जिससे प्रकृति को सुंदर व स्वच्छ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल के प्रधानाचार्य अनिल, उदित सैनी, धर्मराज सैनी, नरेश सैनी, सौरव सैनी व समस्त विद्यालय परिसर के अध्यापक लोग सहित समस्त छात्र उपस्थित रहे।

सुबोध पब्लिक स्कूल में वार्षिक मॉडल कॉम्पटीशन 2023 का पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन

जयपुर (हमारा वतन)। राजधानी जयपुर के रामबाग स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक मॉडल कंपटीशन 2023 का पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। स्कूल प्रिंसिपल कमलजीत यादव ने चंद्रयान से प्रेरित भविष्य के युवा वैज्ञानिकों को विश्व युवा कौशल दिवस पर पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। इससे पहले छात्र-छात्राओं द्वारा डिस्प्ले किए गए मॉडल का निर्णायक मंडल द्वारा जांचा परखा गया और स्टूडेंट की सराहना भी की। प्रिंसिपल कमलजीत यादव ने कहा कि हमारे स्कूल द्वारा लगातार बच्चों की स्किल्स को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । स्कूल में अटल टिंकर लैब भी स्थापित है, जो बच्चों के काम आती है। ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने से बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है जो भविष्य के लिए कारगर सिद्ध होगा। कंपटीशन की थीम टेक्नोलॉजी एंड टॉयज रही। इसमें 6 तरह की सब थीम जियो साइंस, आईटी इन वैरीयस सेक्टर्स , मैथ्स इन डेली लाइफ ,बायो एनवायरनमेंट, फिजिकल साइंस, कॉमर्स एंड ट्रेड आदि रखी गयी। स्कूल के सभी बच्चों ने इन मॉडल्स को देखा और समझा । आगंतुकों ने भी इन मॉडल को देखकर दांतो तले अंगुली दबा ली । इस प्रतियोगिता में करीब डेढ़ सौ मॉडल डिस्प्ले किए गए। सभी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले स्टूडेंट्स को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कचौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

फ्री परामर्श

संपर्क - 9636247286, 9928747286

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

महानिदेशक ने दिए निर्देश स्कूलों में चलेगा मेरा पेड़-मेरा दोस्त अभियानः डॉ. सोनी

देहरादून (हमारा वतन)। राज्य के समस्त विद्यालयों व कार्यालयों में लोक संस्कृति पर आधारित हरेला पर्व व श्रीदेव सुमन दिवस पर मेरा पेड़-मेरा दोस्त, मेरा वृक्ष-मेरा मित्र अभियान के तहत पौधारोपण के लिए महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखंड ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा व निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा को निर्देश दिये हैं। विगत 30 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व वृहद पौधारोपण के क्षेत्र में कार्य कर रहे राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा, सकलाना टिहरी गढ़वाल में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखंड से अनुरोध किया था कि उत्तराखंड के समस्त माध्यमिक, प्राथमिक विद्यालयों, शासकीय, अशासकीय एवं प्राइवेट व मान्यता प्राप्त स्कूलों व कार्यालयों में इस वर्षा ऋतु में मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान चलाकर दोस्त व

मित्र बनाकर वृहद पौधारोपण किया जाय। महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखंड के अपर निदेशक रामकृष्ण उनियाल ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा व निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा को पत्र जारी कर डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी द्वारा चलाये जा रहे मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत उत्तराखंड के समस्त विद्यालयों व कार्यालयों में हरेला पर्व व श्रीदेव सुमन दिवस पर पौधारोपण करने के निर्देश दिए हैं।

निदेशक मा.शि. द्वारा दोनो मण्डलों के अपर निदेशकों को जारी पत्र पर मण्डलीय अपर निदेशक मा.शि. कुमाऊँ मंडल नैनीताल व मण्डलीय अपर निदेशक मा.शि. गढ़वाल मंडल पौड़ ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान चलाकर विद्यालयों व कार्यालयों में वृहद पौधारोपण कराने के निर्देश दिये हैं। डॉ. सोनी ने महानिदेशक व अपर निदेशकों का आभार व्यक्त करने हुये कहा मेरा प्रयास उत्तराखंड को हरित प्रदेश बनाने का है।

हैण्ड फॉर हेल्प फाउंडेशन द्वारा नशे से दूर रहने के लिए बच्चो को किया जागरुक

जयपुर (हमारा वतन)। हैण्ड फॉर हेल्प फाउंडेशन ने मोरीजा स्थित संस्कृत विद्यालय में नशे से दूर रहने के लिए बच्चो को जागरुक किया। इस दौरान सभी बच्चो विद्यालय स्टाफ एंड संस्था के सदस्यों ने उत्साह सहित भाग लिया। इस अवसर शुभम ने विद्यालय प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद लखेरा के सानिध्य में बच्चो को नशे से होने वाले बुरे प्रभाव, नशे के आदी होने का तरीका और इसे केसे बचा जाये इसके बारे में बताया। इसमें इन्होने बताया आज के युवा वर्ग के लोग नशे से इस प्रकार घेरे में आ रहे है की आने वाले समय में उनको बचा पाना मुस्किल हो जायेगा तो अभी समय रहते अगर हम इस नशे से दूर रहे तो भविष्य में अपने देश राज्य और समाज को बुरे समय से बचाया जा सकता है। सभी मिलकर खुद तो नशे से बचकर रहना ही है साथ ही अपनों को भी इसे होने वाले दुष्प्रभावो से बचाना है। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद लखेरा सहित समस्त स्थाफ एवं संस्था सचिव विकाश, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश, सदस्य कीर्ति, शुभम, निशु इत्यादि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रचार्य की फिर सच हुई भविष्यवाणी

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रचार्य की भविष्यवाणी फिर सच साबित हुई है।

टांकरडा ग्राम स्थित राजराजेश्वरी विष्णुमाया मंदिर मणीदीप धाम महंत योगेंद्र महाराज की पुत्री व पुत्र की भविष्यवाणी 2 साल पहले आचार्य ने की थी कि आपकी लड़की और लड़के को उपाधि मिलेगी। भविष्यवाणी आज सत्य साबित हुई है। शताक्षी शर्मा ने रसिया में वाल्को ग्रेट स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त की और लक्ष्य शर्मा ने एसके आईटी कॉलेज जयपुर से इलेक्ट्रिक डिपार्टमेंट से बीटेक कोर्स पूरा किया है। इस पर पंडित रविंद्रचार्य को माला पहनाकर, साफा बंधवाकर, राधा कृष्ण की तस्वीर भेंटकर सम्मानित किया और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी ग्रामीण वासियों ने भव्य सम्मान किया। इस दौरान पंडित सतनारायण, पंडित दामोदर, पंडित महावीर प्रसाद, डॉक्टर मनोज पंडित रतीकेस, पंडित हरिओम शर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डाक विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का हुआ सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान डाक परिमंडल के जयपुर परिक्षेत्र, जिसमे जयपुर, अलवर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर, झुंझुनूं व सीकर मंडल आते है, के कर्मचारियों व अधिकारियों का वर्ष 2022-23 के दौरान डाक व्यवसाय अर्जन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु एक सम्मान समारोह राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर में रखा गया। समारोह में पोस्टमास्टर जनरल सचिन किशोर, निदेशक मुख्यालय अनुब्रता दास व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में जयपुर ग्रामीण मंडल अधीक्षक मोहन सिंह मीणा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के परिणामस्वरूप सुकन्या समृद्धि, अन्य बचत खाते एवं अमृतपेक्ष अभियान सहित अलग- अलग 3 श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए सम्मानित हुए। जयपुर ग्रामीण मंडल के

शाहपुरा उपखंड के सहायक अधीक्षक सुनील स्वामी ने भी सुकन्या समृद्धि व अमृतपेक्ष अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन के परिणामस्वरूप जयपुर परिक्षेत्र में प्रथम व तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंडल के चौमूं उपखंड निरीक्षक सुनील मीणा ने भी सुकन्या अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन के बल पर परिक्षेत्र में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जयपुर ग्रामीण मंडल के जयरामपुरा के शाखा डाकपाल मालीराम स्वामी ने परिक्षेत्र में सर्वाधिक खाते व सुकन्या समृद्धि योजना के सर्वाधिक खाते खोलते हुए दोनों श्रेणियों में पूरे परिक्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए सम्मानित हुए। आज के समारोह में जयपुर ग्रामीण मंडल ने अलग अलग श्रेणियों में सर्वाधिक पुरुस्कार प्राप्त किये। मंडल अधीक्षक मोहन सिंह मीणा ने इस उपलब्धि के लिए सभी ग्रामीण डाक सेवकों, डाकपालों व उपखंड अधिकारियों सहित समस्त ग्रामीण डाक कर्मचारियों व अधिकारियों को इसका श्रेय दिया। जयपुर ग्रामीण मंडल डाक बचत योजना, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की योजनाओं व बीमा योजनाओ में सदैव श्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहा है।

एनटीटी भर्ती पूरी करवाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (हमारा वतन)। एनटीटी संघर्ष समिति के प्रदेश महासचिव विष्णु शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि एनटीटी भर्ती 2018 मे महिला एवं बाल विकास विभाग ने भर्ती नियमों की अनदेखी करते हुए निजी कॉलेज गीता बजाज मोती डूंगरी जयपुर 53 अभ्यार्थियों को गलत तरीके से जॉइनिंग दे दी गई जो की (एनसीटीई) से एनटीटी है ही नहीं ,जो कि प्री प्राइमरी कोर्स है जो की एनटीटी के समकक्ष भी नहीं है। गीता बजाज कॉलेज के 53 अभ्यार्थियों को आधार बनाकर अन्य राज्य के अपात्र अभ्यार्थी भर्ती में प्रवेश कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की इस गलती के कारण राजस्थान के पात्र एनटीटी अभ्यर्थी बाहर हो रहे हैं। इसलिए गीता बजाज के अभ्यर्थी को इस भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जाए या फिर उनके लिए अलग से अतिरिक्त पद सृजित करे। एनटीटी कोर्स 2011 में बंद होने के कारण नई भर्ती आने की संभावना नहीं है। राज्य में TSP अभ्यर्थी

उपलब्ध नहीं है। 200 के आस पास रिक्त सीट है अतः इन सीटों को नॉन TSP से भरा जाऐ ,ये 2012 से रिक्त चली आ रही है। कोर्स बंद होने के कारण आगे भविष्य में एनटीटी अभ्यर्थी TSP मे नहीं मिलेंगे। नॉन TSP में सीटों को भरने से राज्य के बेरोजगार अभ्यार्थियों को रोजगार मिल सकेगा। एनटीटी भर्ती परीक्षा 2018 में राज्य के लगभग 1350 अभ्यर्थी शेष थे 24000 हजार से अधिक आवेदन आए। एनटीटी भर्ती 2018 में 839 को नियुक्ति दी जा चुकी है शेष अभ्यर्थीयों की सत्यापित जांच एक साथ ही करवा ली जाए जिससे विभाग को दस्तावेज जांच हेतु बार-बार सूची जारी नहीं करनी पड़े, भर्ती समय पर पूरी हो सके। एनटीटी भर्ती 2012 में लगे हुए शिक्षक को एनटीटी भर्ती 2018 में पुनः शामिल होने की अनुमति नहीं दी जिसके कारण वह कोर्ट में चले गए महिला एवं बाल विकास विभाग कोर्ट में अच्छे से पैरवी करते हुए उनकी याचिका खारिज करवाया जाये जिससे बेरोजगार अभ्यार्थियों को रोजगार मिल सके। महिला बाल विकास ने दस्तावेजों की जांच हेतु तीसरी सूची 15/12/2021 को जारी की गई जिसमें नॉन TSP की 309 सीट रिक्त थी लेकिन विभाग ने 207 पर ही सूची जारी की गई उसमे 102 सीटों को जोड़कर संशोधित सूची जारी करवाने की कृपा करें। एनटीटी भर्ती 2012 व 2013 में 154 में एनटीटी शिक्षक किसी कारणवश नौकरी छोड़ दी है इन त्यागपत्र पदों को एनटीटी भर्ती 2018 में जोड़ने की कृपा करें जिससे एनटीटी बेरोज़गारो छात्रों को रोजगार मिल सके।

पार्थिव महारुद्राभिषेक के पोस्टर का हुआ विमोचन

चौमूं (हमारा वतन)। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार 23 जुलाई 2023 को कागलिया वाले बालाजी मंदिर, चौमूं में आयोजित होने वाले सामूहिक शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती के पोस्टर का विमोचन विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा ने किया। इस दौरान मंजू शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में सद्भावना बनी रहती है और ऐसे कार्यक्रम हमेशा होते रहना चाहिए। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, समाजसेवी राजेंद्र शर्मा, प्रदेश मंत्री ओम प्रकाश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जयपुर जिला देहात कांग्रेस सेवादल उत्तर के जिला अध्यक्ष बने लल्लूराम सैनी

जयपुर (हमारा वतन)। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत की अनुशंसा पर पांचवी बार जयपुर जिला देहात कांग्रेस सेवादल उत्तर का जिला अध्यक्ष ग्राम कालाडेरा विधानसभा चौमूं निवासी लल्लूराम सैनी को नियुक्त किया है। संगठन ने लगातार पांचवीं बार विश्वास कर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। सैनी के पांचवी बार जिलाध्यक्ष बनने पर कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। लल्लूराम सैनी वर्तमान में सदस्य राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बोर्ड राजस्थान सरकार के सदस्य भी हैं। विभिन्न पदों पर कांग्रेस में सक्रिय हैं।

जॉब्स

1. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद आरएएस/आरटीएस, पद संख्या 905, अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023
2. आईबीपीएस, पद क्लर्क, पद संख्या 4045, अंतिम तिथि 21 जुलाई 2023
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद असिस्टेंट प्रोफेसर, पद संख्या 1913, अंतिम तिथि 25 जुलाई 2023
4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एएनएम, स्टाफ नर्स जीएनएम, पद संख्या 3646, अंतिम तिथि 8 अगस्त 2023
5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद जूनियर अकाउंटेंट, पद संख्या 5388, अंतिम तिथि 26 जुलाई 2023
6. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद जूनियर लीगल ऑफीसर, पद संख्या 140, अंतिम तिथि 9 अगस्त 2023
7. राजस्थान स्वायत शासन विभाग, पद सफाई कर्मचारी, पद संख्या 13184, अंतिम तिथि 19 जुलाई 2023
8. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन, पद एमटीएस / हवलदार, पद संख्या 1558, अंतिम तिथि 21 जुलाई 2023

बॉलीवुड चटकारा

संजीदा शेख का आया हर्षवर्धन राणे पर दिल? अफेयर की खबरों पर एक्टर ने जो कहा सुनकर होंगे हैरान

संजीदा शेख और आमिर अली को अलग हुए काफी समय हो गया है। दोनों की बेटी, संजीदा के पास ही है। अब हाल ही में संजीदा का एक्टर हर्षवर्धनन राणे के साथ नाम जुड़ रहा है। दोनों की कुछ ऐसी फोटोज सामने आई हैं जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप की खबरें वायरल होने लगीं। इतना ही नहीं हर्षवर्धन ने तो संजीदा के साथ अपने अफेयर की खबरों पर रिएक्शन भी दिया है। हालांकि उनका जो स्टेटमेंट है इससे ना तो उन्होंने रिलेशनशिप को एक्सेप्ट किया और ना ही मना किया।

क्या बोले हर्षवर्धन-हर्षवर्धन ने कहा, मुझे इन सब बातों से फर्क नहीं पड़ता। ये एक जर्नलिस्ट की जॉब है कि वे लिखें क्योंकि उनकी हफ्ते की डेडलाइन होती है और उनके हर दिन के टारगेट होते हैं। मैं उन्हें नॉर्मल इंसान समझता हूं जो अपना काम करते हैं जैसा कि मेरा काम है फिल्मों में काम करना। मैं अपनी जर्नी और मेहनत की रिस्पेक्ट करता हूं और उनके भी काम की। वे मेरे बारे में कुछ भी लिख सकते हैं। तब भी मैं उन्हें गले लगाऊंगा जब वे मुझे मिलेंगे।

कैसे आई खबर-दरअसल, पिछले महीने हर्षवर्धन गिर फॉरेस्ट गए थे और उन्होंने कई फोटोज और वीडियोज शेयर किए थे। वहीं संजीदा ने भी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं और दोनों फोटोज में कुछ चीजें एक जैसी देखने के बाद फैंस ने अंदाजा लगाया कि दोनों एक साथ वेकेशन पर गए थे। जिस गाड़ी में दोनों स्टार्स बैठे थे उस गाड़ी की बैक सीट और बैकग्राउंड एक जैसा लग रहा था। बस इसके बाद ही दोनों के अफेयर की खबरें वायरल होने लगीं।

सभी दोस्तों के साथ सोता था इस एक्ट्रेस का पति, ससुराल वाले सलवार कमीज पहनने के लिए करते थे फोर्स

मेरी और उसकी शादी चार साल तक ही चल पाई। इन चार सालों में मेरे पति ने सबके साथ किया...इस बात का खुलासा मंदाना करीमी ने किया था। उन्होंने साल 2022 में कंगना रनौत के रिएलिटी शो लॉकअप में यह दावा किया था। उन्होंने बताया था कि उनके पति के जिन-जिन लोगों के साथ फिजिकल रिलेशन रहे हैं वह उन सबको जानती हैं। इतना ही नहीं, मंदाना ने अपने ससुराल वालों के बारे में भी हैरान करने वाला खुलासा किए थे।

ढाई साल तक डेट करने के बाद की थी शादी-मंदाना ने शो की दूसरे कंटेस्टेंट अजमा से बात करते हुए कहा था, मैंने 27 साल की उम्र में शादी कर ली थी। हमने ढाई साल तक एक-दूसरे को डेट किया। फिर सगाई कर ली। सगाई के बाद हम सात महीने तक एक खूबसूरत रिलेशनशिप में रहे और फिर शादी कर ली। सबकुछ सही चल रहा था लेकिन, शादी के बाद चीजें खराब होती चली गईं और शादी के कुछ समय बाद ही मुझे उनसे अलग होना पड़ा।

ससुराल वालों ने किया टॉर्चर-मंदाना ने आगे बताया था, तो साल 2021 में हुआ था। लेकिन, हम दोनों अलग काफी पहले हो गए थे। दरअसल, शादी के बाद भी मेरा पति सबके साथ सोता था। वह जिन-जिन के साथ सोया मैं उन सभी को जानती हूं। इतना ही नहीं, मेरे ससुराल वालों ने भी मुझे काफी परेशान किया। पहले तो वे लोग मेरा बहुत सपोर्ट करते थे। लेकिन, शादी के बाद सबकुछ बदल गया। वे लोग मुझसे कहते थे कि मैं सिर्फ सलवार कमीज पहन सकती हूं।

सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने प्रीति जिंटा को ठहराया अपने तलाक का जिम्मेदार, बोलीं- मैं उन्हें माफ नहीं कर सकती

मेरे लिए प्रीति जिंटा एक्जिस्ट नहीं करती हैं...ये बात हाल ही में सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने कही। दरअसल, 2000 के दशक में सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने प्रीति जिंटा पर इल्जाम लगाया था कि उनकी वजह से ही उनका और शेखर कपूर का तलाक हुआ था। दोनों के रिश्तों में दरार आई थीं। वहीं अब सुचित्रा ने बताया कि उनके और शेखर कपूर के तलाक को 15 साल हो गए हैं लेकिन, उन्होंने अभी तक प्रीति जिंटा को माफ नहीं किया है। पढ़िए सुचित्रा का पूरा बयान।

सुचित्रा ने प्रीति के बयान पर दिया ऐसा रिएक्शन-सुचित्रा ने बॉलीवुड ठिकाना को दिए इंटरव्यू में प्रीति के बयान पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, जब 2000 के दशक में सुचित्रा ने प्रीति पर उनका घर तोड़ने का इल्जाम लगाया था तब प्रीति ने रिएक्ट करते हुए कहा था, मैं नंबर वन एक्ट्रेस हूं और आप तो काम तक नहीं करती हैं, आप एक होममेकर हैं। आप मुझसे इस तरीके से बात नहीं कर सकती हैं। आपको साइकाइट्रिस्ट के पास जाना चाहिए। आपका दिमाग सही जगह पर नहीं है। सुचित्रा ने अब प्रीति के इसी बयान पर रिएक्ट किया है। सुचित्रा ने कहा, इस पर रिएक्ट करने की कोई जरूरत नहीं है। ये दुनिया आजाद है और वह जो कहना चाहें कह सकती हैं। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं एक होममेकर हूं। मैंने 20 साल तक मां होने की जिम्मेदारी निभाई और मुझे इस बात पर गर्व है।

मेरे लिए एक्जिस्ट नहीं करती हैं प्रीति- कहा जाता है कि प्रीति ने अपने इस बयान के लिए सुचित्रा से माफी मांगी थी। अफवाह है कि प्रीति ने सुचित्रा को फोन करके माफी मांगी थी और उन्हें अपनी फिल्म जान-ए-मन के प्रीमियर पर आमंत्रित भी किया था। लेकिन, सुचित्रा ने जाने से इनकार कर दिया था। सुचित्रा ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक प्रीति को माफ नहीं किया है क्योंकि उनका मानना है।

सहेलियों से गप्पे लगाकर अपना तनाव कम करती हैं महिलाएं

किसी डॉक्टरी सलाह, दवा या काउंसलिंग एजेंसी पर भरोसा करने की बजाए तनाव से निपटने का महिलाओं का अपना एक अलग तंत्र है। अपनी मम्मी, मासियों, चाचियों और बहनों से आपको ये ट्रेनिंग मिल चुकी होगी कि गप्पों में तनाव को कैसे उड़ाया जाए। अच्छी बात ये कि हमारे इस पीढ़ियों पुराने हुनर का पता अब वैज्ञानिकों को भी चल गया है! गहन शोध के बात वैज्ञानिकों के एक समूह ने यह पता लगाया कि महिलाएं किसी अजनबी यानी डॉक्टर या मनोवैज्ञानिक से सलाह करने की बजाए अपनी सहेलियों पर ज्यादा भरोसा करती हैं। और सहेलियां भी उतनी ही संजीदगी से उन्हें तनाव से बाहर ले आती हैं।

क्या कहता है अध्ययन-गर्ल्स अपनी सहेलियों को जीवन भर अपने साथ रखें, क्योंकि उनसे बात करके न सिर्फ आप अपना मन हल्का कर सकती हैं, बल्कि आपके तनाव का स्तर भी कम हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस अर्बाना-शैंपेन में बेकमैन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हुए एक अध्ययन में सामने आया है कि महिला मित्रों के साथ बातचीत करने से जीवन भर महिलाओं के लिए तनाव का स्तर कम हो सकता है।

वैज्ञानिकों ने जाना, किस लिए हैं दोस्त-जर्नल ऑफ वीमेन एंड एजिंग में प्रकाशित हुए इस अध्ययन का शीर्षक था यानी दोस्त किस लिए हैं'। हम सभी इस बात से अवगत हैं कि व्यापार और आनंद के लिए मनुष्य निरंतर संचार करता रहता है। सामाजीकरण की यह प्रवृत्ति मनुष्य के साथ आजीवन रहती है। यह किशोरों और वयस्कों के जीवन में समान रूप से प्रमुख है।इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि विभिन्न आयु वर्ग के लोग किस तरह से संवाद करते हैं, और इसमें 'दोस्ती' क्या भूमिका निभाती है।बेकमैन इंस्टीट्यूट के पूर्व पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ताओं मिशेल रोड्रिग्स और सी ऑन यून के नेतृत्व में, एक टीम ने मूल्यांकन किया कि कैसे वार्ताकारों की उम्र और परिवार बातचीत को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप तनाव प्रतिक्रियाओं की समीक्षा की जा सकती है।

क्यों सहेलियां समझ जाती हैं आपके मन की बात-दो हाईपोथीसिस इस महिला-केंद्रित अध्ययन की नींव बनाती हैं। सबसे पहले, उनकी प्रवृत्ति और दोस्ती की हाईपोथीसिस। वर्तमान में मार्क्वेट विश्वविद्यालय में सामाजिक और सांस्कृतिक विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर, रोड्रिग्स ने कहा कि महिलाओं ने तनाव के जवाब में एक वैकल्पिक तंत्र विकसित किया है, जिसमें अपनी सहेलियों से बात करना शामिल है।शोधकर्ताओं की टीम ने सामाजिक स्तर पर विश्लेषण किया कि जैसे ड्रू जैसे मनुष्य उम्र में बढ़ते हैं, ठीक उसी तरह उनका दोस्ती का दायरा और दोस्त भी बदलते हैं।

उम्र के साथ बदल जाते हैं दोस्त-अध्ययन में अलग उम्र के अलग-अलग लोगों को कुछ लोगों से बात करवाई, जिसमें से कुछ उनके परिचित थे और कुछ अपरिचित। कुछ समय तक बातचीत करने के बाद निष्कर्ष यह निकला कि, लोग अपने दोस्तों से बात करने में ज्यादा सहज और खुश थे।

साल भर में प्रोडक्टिविटी 11 दिन तक कम कर सकता है पीठ का दर्द

एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि पीठ के निचले हिस्से की चोट वाले लोग साल में 11 दिन काम करने से चूक जाते हैं। इसकी वजह है उन्हें बेहतर उपचार न मिल पाना।यूटा स्वास्थ्य और एमडी गाइडलाइन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के एक नए अध्ययन के अनुसार, पीठ के निचले हिस्से में चोट से दर्द सहन करने वाले की चोट वाले लोग एक वर्ष में 11 और दिन काम करने से चूक जाते हैं, जब उनकी पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द का ठीक से उपचार नहीं हो पाता। जबकि जिन्हें सही उपचार मिल पाता है, उनकी प्रोडक्टिविटी ज्यादा बेहतर होती है।

क्या कहता है अध्ययन-इस अध्ययन के निष्कर्ष जर्नल पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस (पीएलओएस) वन में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और एम.डी., यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा रॉकी माउंटेन सेंटर फॉर ऑक्यूपेशनल एंड एनवायर्नमेंटल हेल्थ के निदेशक कर्ट हेगमैन कहते हैं, जिन लोगों की देखभाल साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों से की जाती है, उनकी उतनी ही तेज़ी से पीठ दर्द ठीक होता है। अध्ययन में शामिल लगभग 60,000 लोगों में से 65 प्रतिशत लोगों ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द के लिए बिना दिशानिर्देशों के न्यूनतम उपचार प्राप्त किए। जबकि 14 प्रतिशत ने केवल गैर-दिशानिर्देशों के उपचार प्राप्त किया, 2. 51 प्रतिशत ने गैर- दिशानिर्देशों और दिशानिर्देशों से उपचारों का मिश्रण प्राप्त किया, 3. 14 प्रतिशत ने केवल दिशानिर्देशों से उपचार प्राप्त किया, 4. और 21 प्रतिशत को कोई चिकित्सीय हस्तक्षेप नहीं मिला

क्या रहे परिणाम-गैर-दिशानिर्देशों के उपचारों के साथ संयुक्त रूप से अनुशंसित उपचार प्राप्त करने वाले लोगों ने एक मध्यवर्ती लाभ देखा। विशेष रूप से दिशानिर्देशों से उपचार प्राप्त करने वालों की तुलना में वर्ष के भीतर आठ कार्यदिवसों का औसत गायब था।सबसे आम गैर-दिशानिर्देशों के उपचार ओपिओइड के लिए नुस्खे थे, जिन्हें हतोत्साहित किया जाता है। क्योंकि वे व्यायाम के बजाय दुर्बलता को मजबूत करते हैं और उनसे नशे की लत हो सकती हैं और एक्स-रे, जिससे गलत निदान हो सकता है। सबसे आम दिशानिर्देशीत उपचार गैर-स्टेरायडल एंटी इन्फ्लामेटरी दवाएं और मांसपेशियों को आराम देने वाले थे। डेटा कैलिफोर्निया के श्रमिकों के मुआवजे के दावों से 2009 से 2018 के बीच उन कर्मचारियों से आया था, जिन्हें सीधी, तीव्र पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तनाव था, जो कार्यस्थल में सबसे अधिक प्रचलित चोट थी।शोधकर्ताओं ने ट्रैक किया कि चोट के बाद पहले सप्ताह के भीतर क्लिनिक के दौरे में निर्धारित उपचार को पीयर-रिव्यू किया गया है या नहीं।

हरियाली अमावस्या के दिन कभी ना लगायें ये पौधे, जानें इसका महत्व

हरियाली अमावस्या के दिन पेड़ लगाने का भी खास महत्व है। इससे भगवान शिव का आशीर्वाद मिलता है।

सावन मास में पड़ने वाली अमावस्या का खास महत्व होता है। सावन मास में पड़ने के कारण इस अमावस्या को श्रावणी अमावस्या या हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पेड़ लगाने का भी खास महत्व है। मान्यता है कि इस दिन ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्त की हर इच्छा पूरी करते हैं। लेकिन इसके कुछ नियम हैं। कुछ पेड़ ऐसे होते हैं जिन्हें लगाना काफी शुभ माना जाता है जबकि कई पेड़ों को लगाना अशुभ माना जाता है। इंदौर के पंडित प्रफुल्ल शर्मा ने बताया कि इस दिन कौन से पेड़-पौधे लगाने चाहिए और कौन से नहीं।

हरियाली अमावस्या तिथि-हरियाली अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। यह आमतौर पर हरियाली तीज के लोकप्रिय त्योहार से तीन दिन पहले पड़ता है। इस साल हरियाली अमावस्या 16 जुलाई को रात 10.08 पर शुरू होगी और 17 जुलाई को सुबह 12.01 मिनट पर खत्म होगी। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष हरियाली अमावस्या 17 जुलाई को पड़ रही है।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

गरीबी उन्मूलन एवं आर्थिक उन्नति के सुखद संकेत

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देने के शुभ संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। इससे पूर्व मं बनायी मोदी सरकार की योजनाओं के गरीबी उन्मूलन के चमत्कारी परिणाम आये हैं। हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक अध्ययन रिपोर्ट में यह बताया गया कि पिछले पंद्रह वर्षों में भारत 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर उठाने में कामयाब हुआ है। निस्संदेह, यह खबर भारतीय अर्थव्यवस्था की सुखद तस्वीर पेश करती है। एक और दूसरी सुखद आर्थिक संकेत देने वाली खबर यह आयी है कि मशहूर वित्तीय एजेंसी गोल्डमेन सैक्स के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जायेगी।विगत नौ वर्ष में मोदी सरकार विकास एवं सशक्तीकरण के अनेक आयाम स्थापित किये हैं, सरकार ने ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। भारत और इसकी अर्थव्यवस्था की सफलताओं व संभावनाओं की बुनियाद में राजनीतिक स्थिरता, मोदी सरकार की दूरगामी एवं गरीबी उन्मूलन की योजनाओं की बड़ी भूमिका है। यूएनडीपी की वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के आंकडे भी इसी तथ्य की पुष्टि करते हैं। साल 2005-06 में देश में करीब 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी-रेखा के नीचे जी रहे थे। वर्तमान में अब यह संख्या काफी कम होकर वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। बावजूद इसके यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही संतुलित समाज संरचना की जा सकती है। मोदी सरकार राजनीतिक रूप से स्थिर रही हैं और इनकी प्राथमिकताओं में गरीबी उन्मूलन प्रमुखता से शामिल रहा है। महान् अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह की सरकार भी स्थिर थी और उन्होंने भी गरीबी उन्मूलन के ठोस उपक्रम किये। उनकी सरकार के समय से ही यह प्रयास निरन्तर जारी है।

राम गोपाल सैनी

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने कनिष्ठ निजी सहायक (अंग्रेजी) के 59 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने कनिष्ठ निजी सहायक (अंग्रेजी) के 59 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदन की अन्तिम तिथि 2 अगस्त, शाम 5 बजे व आवेदन शुल्क जमा करवाने की अन्तिम तिथि 3 अगस्त है। चयनित अभ्यर्थी को नियमानुसार दो वर्ष की परिवीक्षाधीन अवधि में रूपये 23,700/- प्रतिमाह देय होंगे। परिवीक्षा काल सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें नियमानुसार पेट्रिक्स लेवल संख्या एल-10 के अनुसार पे स्केल रूपये 33,800- 1,06,700/- संदेय होगा। परीक्षा राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा 25 अगस्त से 10 सितम्बर के मध्य आयोजित किए जाने की संभावना है। आवेदन व परीक्षा सम्बन्धित समस्याओं के निवारण एवं जानकारी हेतु हैल्प लाईन नम्बरों 0291-2888100 एवं 2888101 पर सम्पर्क करें

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स/विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई – कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से टकराएगी बादल झरवाल की ऑक्सीजन दी आइकॉनिक ट्रूथ फिल्म

जयपुर (हमारा वतन)। अभिनेता, निर्माता, निर्देशक बादल झरवाल की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्म ऑक्सीजन दी आईकॉनिक ट्रूथ 28 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी और इसी दिन निर्देशक करण जौहर की रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी रिलीज होने जा रही है। इसलिए इस मुकाबले को फिल्म जगत में कुछ लोग करण जौहर बनाम बादल झरवाल के रूप में इसलिए देख रहे हैं क्योंकि इन दोनों ने इन फिल्मों का निर्देशन किया है । और बतौर कलाकार इस मुकाबले को हम रणबीर सिंह बनाम बादल झरवाल के रूप में भी देख सकेंगे ,क्योंकि इन फिल्मों के अंदर यही तो लीड हीरो हैं ।

करण जौहर पर नेपोटिज्म को बढावा देने और फिल्म इन्डस्ट्री से बाहर के यानी आउट साइडर्स को अवसर नहीं दिये जाने के आक्षेप अक्सर लगते रहे हैं और सुशान्त सिंह राजपूत वाले मामले में भी उनका जिक्र होता रहा है । एक आउट साइडर्स के रूप में बादल झरवाल भी एक चर्चित चेहरा बनने जा रहे हैं और जिसकी ऑक्सीजन दी आइकॉनिक ट्रूथ फिल्म का सीधा मुकाबला करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ होने जा रहा है।

बादल झरवाल की यह मोस्ट अवेटेट हिन्दी फिल्म ऑक्सीजन दी आइकॉनिक ट्रूथ आदिवासी मीना जनजाति के गौरवशाली इतिहास की ऐतिहासिक यादों के साथ एक ऐसी अद्भुत और पवित्र प्रेम कहानी पर आधारित है जो निरंतर ऑक्सीजन-4 तक चलेगी । यानी इस फिल्म में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की अमूल्य धरोहर को बखुबी चित्रित करते हुए एक पवित्र प्रेम कहानी के साथ सस्पेंस और रोमांस का लाजवाब तडका देखने को मिलेगा । सबसे बडी बात यह कि बादल इस फिल्म का अपने जन्मदिन पर 7 जुलाई को पिंक सिटी प्रेस क्लब जयपुर में प्रीमियर शो आयोजित कर पूरी फिल्म दिखा चुके हैं । दर्शकों ने उसे देखने के बाद सुपर हिट करार दिया है । फिल्म की लाजवाब और ओरिजिनल कहानी के साथ ही साथ फिल्म के गीत- संगीत और बैकग्राउंड म्यूजिक की जमकर तारीफ हुई है। फिल्म के स्क्रीन प्ले , शानदार संवादों और कलाकारों के बेहतरीन अभिनय की भी तारीफें सुनने को मिली है । वहीं करण जौहर की फिल्म को अभी तक जनता ने नहीं देखा है,इसीलिए यह मुकाबला बहुत लाजवाब होगा ।

यदि बादल झरवाल की इस फिल्म के सामने करण जौहर की रणबीर सिंह व आलिया भट्ट स्टारर फिल्म नहीं चल सकी तो बादल रातों रात स्टार बन जायेंगे। जिसका प्रभाव 11 अगस्त को रिलीज़ होने जा रही सन्नी दिओल की गदर -2 पर भी देखने को मिलेगा ।

कुल मिलाकर बादल झरवाल के पास पाने के लिए तो बहुत कुछ होगा,लेकिन खोने के लिए कुछ भी नहीं क्योंकि बादल ने बहुत ही कम बजट में एक बेहतरीन फिल्म बनाकर लोगों को चौंका दिया है । इसलिए इस मुकाबले पर सभी की पैनी नजर रहेगी ।

सुरक्षित, सुगम, सुंदर-नगरीय सड़कों के संग आगे बढ़ता राजस्थान प्रदेश में 232 नगरीय निकायों में 1528 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शनिवार को 232 नगरीय निकायों में 2 हजार 642 कि.मी. सड़कों के नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण के कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री वैभव गालरिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में 1528 करोड़ की लागत के 4 हजार 101 कार्यों का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री आवास पर वर्चुअली किया जाएगा। गालरिया ने कहा कि बजट 2023-24 में मुख्यमंत्रीअशोक गहलोत द्वारा अनेक घोषणाएं की गई हैं।

ये मौन अधर की बातें

ये मौन अधर की बातें
केवल नैना कह पाते हैं
नैना सब कुछ सुन लेते हैं
मुख पर चैना रह जाते हैं

ख्वाब सुहावन पावन होकर
अरज के साथ प्रवास करे ज़ब
शुद्ध अन्तःकरण को वरण किए
मुख व्रत रहकर उपवास करे ज़ब
मन के अंदर के कलुष किले
कुछ पल में ही ढह जाते हैं
ये मौन अधर की बातें
केवल नैना कह पाते हैं

मूक अधर अचूक शब्द ज़ब
हिय से नैना तक आने लगे
हिय के अपरिमेय अखंड प्रमेय को
यूँ....चुटकी में सुलझाने लगे
मन -भाव नीर में समाहित होकर
इन नैनों से आखिर बह जाते हैं
ये मौन अधर की बातें
केवल नैना कह पाते हैं

प्रेम के हर एक मूक शब्द को
निज भाषा में भाषित करते हैं
शब्दों को हिय तक ले जाकर
प्रेम को परिभाषित करते हैं
शब्द- प्रेम से प्रेम पृथक कर
दधि के सदृश मह जाते हैं
ये मौन अधर की बातें
केवल नैना कह पाते हैं

-सिद्धार्थ गोरखपुरी

ओ री चिरैया

ओ री चिरैया-बोलो तुम क्यों
मुझे सताती हो।
फुदक - फुदक कर मेरे आँगन
क्यों ना आती हो?
क्यों तुम मुझसे डरती
क्या तेरे मन में?
कितना सुख दिखता है मुझको
तेरे जीवन में।
मधुर -मधुर तुम गीत सभी को
सदा सुनाती हो।
ओ री चिरैया जैसे ही मैं ,
आऊँ तेरे पास ।
क्यों झट से उड़ जाती हो तुम,
करके मुझे उदास।
दूर बैठ कर मुझसे क्यूँ तुम
ना बतियाती हो।
पेड़ों पर तुम खूब फुदकती,
अपने पंख पसार।
आसमान की सैर करो नित,
घूम रही संसार।
क्यों कभी मुझे तुम अपने
संग नहीं ले जाती हो।
ओ री चिरैया मेरे घर क्यूँ
तुम न आती हो।
क्यों रूठी हो कहो सखी,
क्या बात छिपाती हो?
दूर दूर से ही तुम मेरा,
मन बहलाती हो।।

डॉ. योगिता जोशी
जयपुर

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमू शहर होगा